



Chinmay kota

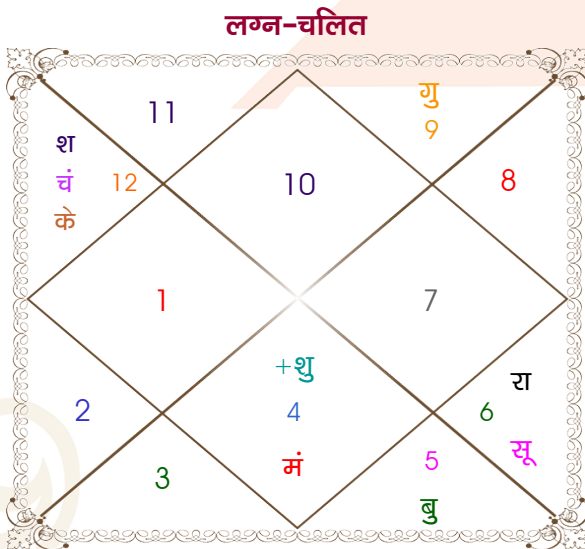


Model: Web-FreeMatching

Order No: 121879202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 28/09/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 12/09/1998
 शनिवार : _____ दिन _____ : शनिवार
 घंटे 14:48:00 : _____ जन्म समय _____ : 18:40:00 घंटे
 घटी 21:17:02 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 31:12:47 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Kota : _____ स्थान _____ : Kota
 25:11:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 25:11:00 उत्तर
 75:58:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 75:58:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:26:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:17:11 : _____ सूर्योदय _____ : 06:10:53
 18:15:55 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:33:42
 23:48:43 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:11

विंशोत्तरी बुध 1वर्ष 9मा 26दि सूर्य 25/07/2025 26/07/2031	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि राहु 26/01/2009 26/01/2027
सूर्य	12/11/2025	11:42:43	कन्या	सूर्य	25:44:02	राहु
चन्द्र	13/05/2026	28:34:18	मीन	चंद्र	18:50:10	गुरु
मंगल	18/09/2026	17:37:18	कर्क	मंगल	20:39:21	शनि
राहु	13/08/2027	25:25:23	सिंह	बुध	14:01:36	बुध
गुरु	31/05/2028	14:58:08	धनु	गुरु व	कुंभ 29:41:41	केतु
शनि	13/05/2029	29:35:02	कर्क	शुक्र	सिंह 13:15:55	शुक्र
बुध	20/03/2030	10:01:48	मीन व	शनि व	मेष 09:08:01	सूर्य
केतु	25/07/2030	14:10:41	कन्या	राहु व	सिंह 07:31:05	चन्द्र
शुक्र	26/07/2031	14:10:41	मीन	केतु व	कुंभ 07:31:05	मंगल
		06:53:10	मक व	हर्ष व	मक 15:29:45	
		01:11:00	मक व	नेप व	मक 05:46:21	
		07:10:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि 11:39:57	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि बीपदउंल ावजं का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि V का नक्षत्र रोहिणी है।

बीपदउंल ावजं का वर्ग सिंह है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकू/ मिलान के अनुसार बीपदउंल ावजं और V का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

बीपदउंल ावजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते ॥**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल बीपदउंल ावजं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल बीपदउंल ावजं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

V मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु व कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि व कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

बिपदउल्लंघनं तथा व में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।